जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल* क्रमांक 147
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी दिनांक 30.11.2021

भूजल क्षमता का आंकलन और जल संचयन संरचना का दिया प्रशिक्षण
जनेकृविवि रिमोट सेसिंग और जीआईएसपर 21 दिवसीय प्रशिक्षण संपंन

जबलपुर 30 नवम्बर। जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में भारत सरकार की नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचईपी) परियोजना द्वारा विभिन्न प्रदेशों के विश्वविद्यालयों– कृषि विश्वविद्यालय जैसे आचार्य एन.जी.रंगा. आनंद, महात्माफूले, परभणी, नवसारी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, शिक्षकों व विद्यार्थियों के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का ऑनलाइन व्यावहारिक एवं क्रियाशील प्रशिक्षण परियोजना के मुख्य अन्वेषक डॉ. आर.के. नेमा, डॉ. मनोज कुमार अवस्थी (प्रिंसिपल साइंटिस्ट) के निर्देशन तथा डॉ. एस.के. शर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण में रिमोट सेसिंग और जीआईएस की बुनियादी जानकारी तथा इनका कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग जैसे भूजल की क्षमता का आंकलन, जल संचयन संरचना के लिये स्थल का चुनाव, मृदा अपरदन का आंकलन आदि के साथ साथ क्यूजीआईएस सॉफ्टवेयर की कार्य प्रणाली के विषयों मे भी जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण में भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान देहरादून के वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. एन.आर. पटेल, डॉ. पुनम तिवारी, डॉ. दिपांविता हलदार तथा नाहेप प्रोजेक्ट से डॉ. अपर्णा वाजपेयी, इजी. अंजली पटेल, डॉ. उमाकांत रावत और डॉ. देवेन्द्र वास्ट ने प्रशिक्षण दिया। डॉ. मीनाक्षी मेश्राम, ओमप्रकाश प्रजापति, सुमित काकडे एवं इजी. कृष्णा सिंह आदि का तकनीकी सहयोग रहा।

–000–